MICON 2-4-D

2,4-D amine salt 58% S.L.

(Selective Herbicide)

CIR-203998/2022-2,4-D amine salt (S.L) (437)-611

2,4-D amine salt is a selective herbicide effective against broad leaved weeds in sorghum, maize, wheat, aquatic weeds, Potato, Sugarcane & non cropped areas.

Recommendation

Crops	Common Name of Pest	Dosages / Ha		Dilution in (Ltr) water	Waiting Period Last spray to Harvest (in days)
		A.I. (kg)	Formulation (Ltr)		
Aquatic Weeds	Eichhornia crassipes	0.5 - 1.0	0.85 - 1.70	600 - 700	
Maize	Amaranthus Spp. Tribulus terreistris, Boerhavia diffusa, Portulaca oleracea, Euphorbia hirta, Cyperus Spp., Trianthema monogyna Boerhavia diffusa Portuluca oleracea Euphorbia hirta Cyperus Spp.	0.5	0.86	400-500	50-60
	Trianthema monogynae Tribulus terreistris	0.5	0.86	400-500	50-60
Non Crop Area	Parthenium hysterophorous, Cyperus rotundus	2.65 2.5	4.50 4.5	300 - 400 300 - 400	
Non Grasses					
Potato	Convolvulus arvensis, Portulaca oleracea Asphodelus tenuifolius Chenopodium album, Anagalis arvensis, Cyperus iria, Portulaca oleracea Portulaca oleracea Asphodelus tenuifolius	2.0	3.5	400	
	Chenopodium album	2.00	3.50	400	--
Sorghum	Phyllanthus niruri, Convolvulus, arvensis, Euphorbia hirta, Tridax procumbens, Digera arvensis Trianthema Spp., Striga Spp.,	1.8	3.0	500-600	
	Cyperus iria Tridax procumbens Trianthema Spp.Digera arvensis Convolvulus arvensis Euphorbia hirta Striga Spp.	1.8	3.0	500-600	--
Sugarcane	Cyperus iria, Digiteria sp. Digera arvensis, Dactylactenium agyptium, commelina bengalensis, Convolvulus arvensis,	3.5	6.3	500	
Wheat	Convolvulus arvensis, Melilotus alba, Fumaria spp. Asphodelus tenuifolius, Chenopodium album, Vicia sativa.Furmaria spp. Asphodelus tenuifolius	0.5-0.75	0.85-1.30	500-600	
	Chenopodium album Melilotus alba	0.5-0.75	0.85-1.30	500-600	--

Direction of Use :

Plant Protection Equipment : Knapsack sprayer, foot sprayer, compression battery sprayer & ASPEE - HTP power sprayer fitted with flat fan or flood jet nozzle Limitation & Caution for use : Do not spray the crop in neighbourhood of cotton, tobacco, chillies, tomato & grapes as they are very susceptible. Do not use in those situations where there is a possibility of harming to bees. Avoid spray drift. Keep live stock away from spray area for two weeks. Do not store near seeds,fertilizer & insecticide. Do not inhale or mix with bare hands.

Time of Application -

Sorghum : Post emergence, apply when sorghum is 10 - 30 cm tall; Maize : Pre emergence, 2-3 days after the sowing of crop Wheat : Post emergence, 30 - 35 days after sowing of crop; Aqautic weeds : When weeds are young & actively growing Potato : Pre emergence of crop / weeds; Non crop Area : Spraying should be made in fallow land; Mode of application : Mostly blanket application.

Precaution :

● Keep away from foodstuffs, empty foodstuff containers and animals food. ● Avoid contact with mouth, eyes and skin. ● Avoid inhalation the spray mist. Spray in the direction of wind. ● Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying. ● Do not smoke, drink, eat and chew anything while spraying. ● Wear full protective clothing while mixing and spraying.

Symptoms of Poisoning :

Nausea, headache, weakness, diarrhoea, spasticity of muscles of the hands & feet. There may be hyperpyrexia in few cases. Death may occur due to ventricular fibrillation or cardiac arrest.

First Aid : ● If swallowed, induce vomiting by tickling the back of throat. Repeat it until the vomitus is clear. Do not induce vomiting if the patient is unconscious. ● If clothing and skin are contaminated, remove the clothes and wash the contaminated skin with copious amount of soap and water. ● If eyes are contaiminated, flush with plenty of saline/clean water for about 10 to 15 minutes. ● If inhaled, remove the patient to fresh air.

Antidote :Quinidine sulphate may be given to control myotonia or suppress abnormal ventricular cardiac rhythm. Treat symptomatically.

Disposal of used Container

1 It shall be the duty of manufactures/formulators of herbicide and operator to dispose packages or surplus materials and washings from the machine and container shall be disposed off in a safe manner so as to prevent environmental and water pollution. 2 The used packages shall not be left outside to prevent their re-use.

3 Packages shall be broken and burried away from habitation.

Storage Conditions

1. The packages containing the herbicide shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the herbicide

2. The rooms or premises meant for storing the herbicide shall be well built, dry, well-lit and ventialted and of sufficient dimensions to avoid contamination with vapour

Chemical Composition

Ingredient	Description	Weight
1 2,4-D Acid Tech.	(based on 97 % w/w a.i.)	59.00 % w/w
2 Sequestering agent	Dimethyl amine	30.00 % w/w
3 Lignin Sulphonate		1.00 % w/w
4 Diluent (Aqua)		10.00 % w/w
	Total	100 % w/w

Regd. office :

MICON LABORATORIES Pvt. Ltd.

Gat No. 319/1 Nimdale Shivar, Nimdale, Tal. Dist. Dhule (M.S.) India.

MICON 2-4-D

2,4-D amine salt 58% S.L.

(Selective Herbicide)

CIR-247802/2023-Oxyflourfen (EC) (442)-595

Regd. office :

MICON LABORATORIES Pvt. Ltd.

Gat No. 52, Plot no. 2,3 Dhodi Shivar, Dhamane,
Post Deobhane, Tal. Dist. Dhule (M.S.) India.

उत्पादक :

मायकॉन लेबोरेटरीज प्रा. लि.

गट नं.३१९/१, निमदाळे शिवार, निमदाळे,

ता. जि. धुळे. (महाराष्ट्र)

उत्पादक :

मायकॉन लेबोरेटरीज प्रा. लि.

गट नं.३१९/१, निमदाळे शिवार, निमदाळे,

ता. जि. धुळे. (महाराष्ट्र)

मायकॉन २-४-डी

२,४डी अमाइन साल्ट ५८ % घुलनशील तरल

(चयनात्मक खरपतवारनाशक)

CIR-203998/2022-2,4-D amine salt (S.L) (437)-611

२-४-डी अमाइन साल्ट एकखरपतवार नाशक है जोकी ज्वार , मक्का, गेहं, जलाय खरपरवार, आलु तथा गन्ना में खरपतवारों की वोकथाम करता है।

उपयोग :

फसल	कीटा के नाम	प्रति हेक्टर मात्रा		पानी की मात्रा (ली.)	अतिंम छिडकाव तथा फसल काटने के बीच अंतराल(दिनों) में
		स. तत्व (कि.ग्रा.)	संरचना (लिटर)		
जलिय खरपतवार	जलकुम्भी	०.५-१.०	०.८५-१.७०	६००-७००	-
मक्का	जंगली चोलाई, बडा गोखुर, विषखपडा, मोथा, बडा नूनियॉ, बडा लूधी, पत्थर चटटा.	०.५	०.८६	४००-५००	५०-६०
	विसकपडा, बुडा नूनियॉ, बडा दुधी, मोथा, पत्थर चटटा, बडा रोखरु.	०.५	०.८६	४००-५००	५०-६०
बिना फसल का इलाका	पारथेनियम हिस्टैराफोरस, जंगली मोथा	२.६५	४.५०	३००-४००	-
खरपत वार					
आलू	बडा, दुधी, बडा नुनियॉ, पेयाज, बथुआ,	२.०	३.५	४००	
		२	३.५	४००	
ज्वार	हजार दाना, हिरन खुरी, बडी दुधी, गोखरु, तुनक लहसुआ, पत्थर चटटा, पीला मोथा	१.८	३.०	५००-६००	
गन्ना	पिला मोथा, लहसुवा, बुडा नूनियॉ, हिरन खुरी	३.५	६.३	५००	
गेहं	बंधानियॉ, सैंजी, बसिया, प्याजी, बथुआ.	०.५-०.७५	०.८५-१.३०	५००-६००	

उपयोग के लिये निर्देश :

उपयोग में आने वाले यंत्र-नैपसेक स्प्रेयर, फुट स्प्रेयर, कम्प्रेशन नेपसेक बैटरी स्प्रेयर और ए. एस. पी.ई.ई.-एच.टी.पी. पावर स्प्रेयर जिसमें फलैट फैन या फ्लड जैट नोजल लगा हो। प्रयोग की सिमायें तथा सावधानियां-जहां पर कपास, तम्बाकू, मिर्च, टमाटर या अंगुर की फसल हो वहां पर उसका प्रयोग न करें। जहां पर मधुमखियों का प्रभाव हो वहां पर भी छिडकाव न करें ।डिफट स्प्रे न करें। छिडकाव के दो सप्ताह तक किसी भी जानवर को छिडकाव क्षेत्र में न जानें देंय खरपतवार नाशकों का संग्रह बिज, उर्वक, तथा किटनाशकों के साथ न करें और न सुधें तथा न ही खुले हाथों से प्रयोग करें।

प्रयोग का समय :- ज्वार :

उगने के बाद जब ज्वार का पौधा १० से ३० से. मी. लमेबा हो जायें। मक्का: उगने से पहले बुआई के २ से ३ दिन बाद गेहु उगने के बाद बुआई के ३० से ३५ दिन बाद जलीय खरपतवार की जब अच्छी बढरार हो आलु फसल ख खरपतवार के उगने से पहले गन्ना बिना फसल का इलाका खाली भुमी में सीधा छिडकाव करें। उपयोग का तरीका मुख्य रुप से बलेकंट छिडकाव ।

प्रयोगकर्ताओ के लिये सावधानिया :

१. खाधसामग्री के खाली बर्तन और पशुओ के चारे से दुर रखे।

२.मुंह, त्वचा और आंखे के संम्पर्क से बचाये।

३.छिडकाव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचाये। हवा की दिशा मे छिडकाव करे।

४. छिडकाव के बाद दूषित कपडो और शरीर के अंगो को अच्छी तरह धोएं।

५.छिडकाव के समय धुम्रपान, खाना, पीना और कुछ तबाना नही चाहिए।

६.छिडकाव करते या मिलाते समय पुर्ण सुरक्षात्मक कपडे पहनें।.

विष के लक्षण :

कमजोरी, सिरदर्द, मितली, दस्त, हाथो और पैरो मांसपेशियो मे एंठन, कुछ लोगो को तेज बुखार भी हो सकता हैं। हृदय को रक्त पहुचाने वाले मार्ग के खोश में संकुचन अथवा हृदय गति के रुक जाने से मृत्यु हो सकती है।

प्राथमिक चिकित्सा :

१. यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उल्टी करायें यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उल्टी द्वारा निकला पदार्थ साफ न होजाए। यदी मरीज बेहोश हो तो उल्टी न करायें।

२. यदि कपडे और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपडे उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

३. यदि अैंखे दूषित हो जाये तो उनके काफी मात्रा में सैलाइन/ साफ पानी से लगभग १०-१५ मिनट धोएं।

४. यदि खरपतवारनाशक सांस द्वारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुध हवा में ले जायें।

पौध विशाक्तता : -

विष नाशक : मायटोनिया या हृदय गती के असामान्य होने या रोकनें के लिए क्लीनडाइड सल्फेट दिया जा सकता हौं। लक्षणानुसार इलाज करें।।

खाली डिब्बो का निपटारा :

१. खाली डिब्बों को उपयोग के पश्चात अच्छी तरह तोड-फोड कर आबादी से दुर जमीन में गाड देना चाहीये।

२. उपयोग किये हुये खाली डब्बो को दुबारा प्रयोग के लिये बाहर खुला न छोडें।

३. खरपतवार नाशक के पैकेटो अथवा डिब्बों, यंत्रो के धोवन और बची हुई खरपतवार नाशको का योग्य तरीके से निपटारा करें जिससे वातावरण और पिने का पानी दुषित न हो।

संग्रहण की शर्ते :

१. खरपतवार नाषक के डिब्बों को अलग अलग कमरों में खाद्य पदार्थ रखे जाने वाले कमरो से अलग ताला चाबी में खरपरवार नाशक के प्रमाण व प्रकार के हिसाब से अलग अलग जगहो अथवा आलमारीयों में रखा जाना चाहिए।

२. जिस कमरे अथवा जगह में खरपतवार नाशक का भंडारण करना हो वह अच्छी तरह बना हुआ, सुखा, ठंडा प्रकाश व हवायुक्त, तथा खरपतवार नाशक के प्रमाण से प्रर्याप्त लंम्बा चौडा होना चाहिए।

रासायनिक संरचना :

क्रमांक	घटक	विवरण	वजन
१	२,४-डी ऐसिड टेक्नि	(भार के हिसाब से ९७ % स.त. पर आधारित)	५९ % भार/भार
२.	सिक्वेस्टींग एजेंट	डाईमिथाइल अमाइन	३० % भार/भार
३.	लिगनिन सल्फोनैट		१.०० % भार/भार
४.	डायलुऐंट (एकवा)		१० % भार/भार
		कुल :	१००.०० % भार/भार

उत्पादक :

मायकॉन लेबोरेटरीज प्रा. लि.

गट नं.३१९/१, निमदाळे शिवार, निमदाळे, ता. जि. धुलिया. (महाराष्ट्र)

मायकॉन २-४-डी

२,४डी अमाइन साल्ट ५८ % घुलनशील तरल

(निवडक तणनाशक)

CIR-203998/2022-2,4-D amine salt (S.L) (437)-611

२,४-डी अमाइन साल्ट ५८% एस एल हे एक निवडक तणनाशक आहे. जे रुंद पत्तीचे तण ज्वारी, मका, गहु, जलिय तण बटाटा, ऊस आणी विनापिक क्षेत्र वर परीणामकारक आहे.

उपयोग :

पिके	कीटाकाचे नाव	मात्रा प्रति हेक्टर		पाण्या ची मात्रा (ली.)	प्रतिक्षा कालावधी शेवटच्या फवारणी पासुन काढणी पर्यत दिवस
		स. तत्व (कि.ग्रा.)	संरचना (लिटर)		
जलिय तण	जलकुम्भी	०.५-१.०	०.८५-१.७०	६००-७००	-
मक्का	जंगली चोलाई, मोठा गोखुर, विषखपडा, मोठा, मोठा नूनियॉ, मोठी दुधी, मोथा.	०.५	०.८६	४००-५००	५०-६०
	विसकपडा, बुडा नूनियॉ, बडा दुधी, मोथा, दगड चटटा, विकसपडा.	०.५	०.८६	४००-५००	५०-६०
विना पिक क्षेत्र	पारथेनियम हिस्टैराफोरस, जंगली मोथा	२.६५	४.५०	३००-४००	-
बटाटा	मोठी दुधी, मोठा नुनियॉ, कांदा, बथुआ,	२.०	३.५	४००	
ज्वार	हजार दाणा, हिरणखोरी, मोठी दुधी, तुणक, लहसुआ, दगड चटटा, गोखरु, पीला मोथा	१.८	३.०	५००-६००	
ऊस	पिळा मोथा, लहसुवा, मोठा नूनियॉ, हिरण खोरी	३.५	६.३	५००	
गेहं	बंधानियॉ, सैंजी, बसिया, प्याजी, बथुआ.	०.५-०.७५	०.८५-१.३०	५००-६००	

वापराचे दिशानिर्देश :

उपयोगात येणारे यंत्र नॅपसॅक स्प्रेयर, फुटस्प्रेयर, कंप्रेशन नॅपसॅक बॅटरी स्प्रेयर व ए. एस. पी.इ.इ. -एच.टी.पी.पॉवर स्पेअर, ज्यात फलॅट फॅन किंवा फलड जेट नोझल लावलेले असेल. प्रयोगाची सिमा तथा. सावधाडी- जेथे कापुस, त्बाखु, मिरची, टमाटर किंवा द्रक्षांची शेती असोल तेथे याचा वापर करु नये. जेथे णधमाशांचा प्रभाव असेल तेथे पण फवारणी करु नये. फवारणी नंतर २ आठवड्याप्र्यंत कोणत्याही पशुला फवारणी क्षेत्रात जाउ देउ नये. तणनाशकांचा संग्रह बियाणे, खत तसेच किटकनांशकांसोबत करु नये. आणी वास घेउ नये. तसेच उघड्या हातानीं प्रयोग करु नये.

प्रयोगा ची वेळ :-

ज्वारी उगवल्यानंतर जेव्हा ज्वारीचे पिक १०-३० से. मी. उंच होउन जाईल
मका उगवण्याआधी पेरणीच्या २-३ दिवसांनंतर
गहु उगवल्यानंतर पेरणीच्या २-३ दिवसांनंतरजलिय तण तण जेव्हा जास्त वाढले असेल
बटाटा पुक व तण उगवण्याच्या आधी
उस विनापिक क्षेत्र रिकाम्या शेतात फवारणी करा. उपयोगाची पध्त मुख्य रुपाने ब्लेकंट फवारणी

सावधागिरी :

- औषधाचे खाली डबे अन्नपदार्थापासुन दुर ठेवा.
- तोंड, डोळ्याच्या आणी त्वचेच्या संपर्कपासुन टाळा.
- फवारणीची वाफ शरिरात श्वासाद्वारे घेणे टाळा. हवेच्या दिशेने फवारणी करा.
- फवारणीनंतर दुषित कपडे आणी औषधाच्या संपर्कात आलेला शरिराचा संपुर्ण भाग धुवा.
- फवारणी करतांना धुम्रपान करु नका. पेय पिऊ नका. काहीही खाऊ नका.
- द्रावण तयार करतेवेळी आणी वापरकरतांना संपुर्ण कपडे घाला.

विषबाधा चे लक्षणे : या तणनाशकाचा सर्पक आल्यास डोतेदुखी, अशक्तपणा, मळमळ, हगवण हाताच्या व पायांच्या मांसपेशी कडकपणा. काही लोकांना तीव्र ताप सुध्दा येउ शकतो. हृदयाला रक्त पोहोचवणारे मार्ग संकुचित होणे, किंवा हृदय गती थांबल्यामुळे मृत्यु होऊ शकतो. या प्रकारचे लक्षणे उदभरतात.

प्रथमोपचार :

१. पोटात गिळले गेल्यास मानेच्या मागच्या बाजुला चोळुन पोटसाफ होऊपर्यत उलटी करायला लावा. जर रोगी बेशुध्द असेल तर उलटी करवु नका.
२. त्वचेच्या संपर्क, दुषित झालेली त्वचा भरपुर पाणी आणी साबणाने चांगली स्वच्छ धुवा. दुषित झालेले कपडे काढा. कोणतीही तक्रार असेल तर डॉक्टरचा सल्ला घ्या.
३. श्वासातुन आत गेल्यास रोगिला शुध्द हवेत घेवुन जा.
४. जर डोळे दुषित झाल्यस १० ते १५ मिनिटे भरपुर प्रमाणात स्वच्छ पाण्यात धुवा. वेदना चालुराहील्यास वैद्यकिय उपचार मिळवा.

विष नाशक : मायोटोनिया किंवा हृदयगती असामान्य होणे किंवा थांबणे ला थांबवण्यासाठी क्लीनडाइन सल्फेट देऊ शकतात लक्षणा नुसार उपचार करावा.

वापरलेल्या कंटेनरचे विल्हेवाट लावणे :

१. पॅकेजेस किंवा अतिरिक्त द्रव्य आणी यंत्राचे धुवण तसेच कंटेनर ह्याची विल्हेवाट सुरक्षितपणे, पर्यावरणाचे आणी पाण्याचे प्रदुषन न होईल अशा रितीने लावावी.

२. वापरलेल्या पॅकेजेसचा परत वापर टाळावा म्हणून ती उघड्यावर टाकु नयेत.

३. पॅकेजेस मोडुन तोडुन वस्तीपासुन दुर पुरावीत व जमीनीत पुरुन टाका.

साठवण परिस्थिती :

१. किटकनाशक असलेले मुळ स्वरुपातील बंदखोके हे अन्य वस्तु विशेषता खाद्य पदार्थ साठवलेल्या ठिकानापासुन वेगळ्या ठिकाणी ठेवले पाहीजे अथवा किटकनाशक स्वतंत्र कपाटात कुलूपलावुन बंद करुन ठेवावे.

२. किटकनाशक साठवण खोल्या अथवा पक्या बांधणी च्या कोरड्या भरपुर उजेड व खेळती हवा असणारऱ्या योग्य अकाराच्या असाव्यात म्हणजे वाफेद्वारे प्रदुषण होनार नाही.

जबाबदारी नियम :

हे औषद वापरण्याची पध्दत हि कंपनीच्या तत्कालीन प्रयोगांवर आधारीत आहे अनेक बाबी उद.वातावरण जमिनीचा प्रकार पिकाचा प्रकार फवारणी पध्दत इत्यादी गोष्टीचा किटकनाशकाच्या कार्यक्षमतेवर परीणाम होउ शकतो म्हणुन या किटकनाशकाचा वापर कंपनीच्या नियंत्रणाबाहेर आहे. या उत्पादकाच्या एकसमाण गुणवत्तेच्या खात्रीशिवाय इतर कोणतीही जबाबदारी कंपणी घेत नाही. आमचे किटकनाशक हे सिलबंद पॅकिंगमध्दे खरेदी केल्यानंतरच कंपनी त्यच्या गुणवत्तेची गॅरंटी देते.

रासायनिक संरचना :

क्रमांक	घटक	ववरण	वजन
१	२,४-डी ऐसिड टेक्नि	(भार च्या हिशोबाने से ९७ % स.त. पर आधारित)	५९ % भार/भार
२.	सिक्वेस्टींग एजेंट	डाईमिथाइल अमाइन	३० % भार/भार
३.	लिगनिन सल्फोनैट		१.०० % भार/भार
४.	डायलुऐंट (एकवा)		१० % भार/भार
		एकुण :	१००.०० % भार/भार

उत्पादक :

मायकॉन लेबोरेटरीज प्रा. लि.

गट नं.३१९/१, निमदाळे शिवार, निमदाळे, ता. जि. धुळे. (महाराष्ट्र)